>

Title: Need to include 'Magahi' Language in the Eighth Schedule to the Constitution.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): माननीय सभापति महोदय, समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक बात की ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। आज बिहार, झारखण्ड सहित पूरे देश में मगध का जो मौर्य कालीन साम्राज्य रहा है, जहां पूरे देश में जब चर्चा होती है अर्थशास्त्र की या चर्चा होती है राजनीति शास्त्र की तो उसमें कौटिल्य या चाणक्य का नाम जरूर आता है। बिहार, झारखण्ड सहित पूरे देश के अनेक हिस्सों में एक मगही भाषा बोली जाती है। यह मौर्य काल की भाषा है, चाणक्य की भाषा है, कौटिल्य की भाषा है और यह भाषा अपनी उन्मुक्ति के कग़ार पर है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि जो हिन्दुस्तान की धरोहर है, मगध साम्राज्य की धरोहर है, कौटिल्य, चाणक्य की भाषा है, उस भाषा को, उस मगही भाषा को हिन्दुस्तान की जो सरकार है, वह संविधान की अष्टम् अनुसूची में डालें। मगही भाषा बिहार, झारखण्ड सहित देश के अनेक हिस्सों में बोली जाती है। यह बहुत ही मधुर भाषा है और एक ऐतिहासिक भाषा है। इसे संविधान की अष्टम् अनुसूची में केन्द्र सरकार दर्ज़ करे और इस भाषा को और अधिक समृद्ध बनाएं। यही मांग हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से करते हैं।

सभापति महोदय:

*m02

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय अपने को श्री जगदीश शर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।